RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
सितंबर
09
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

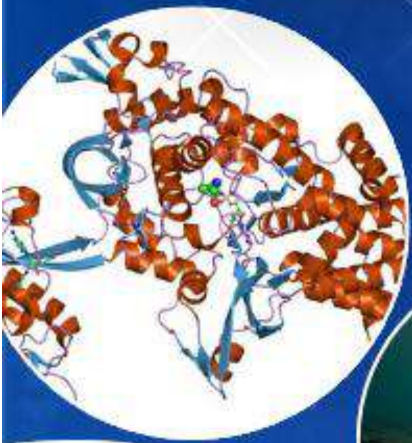

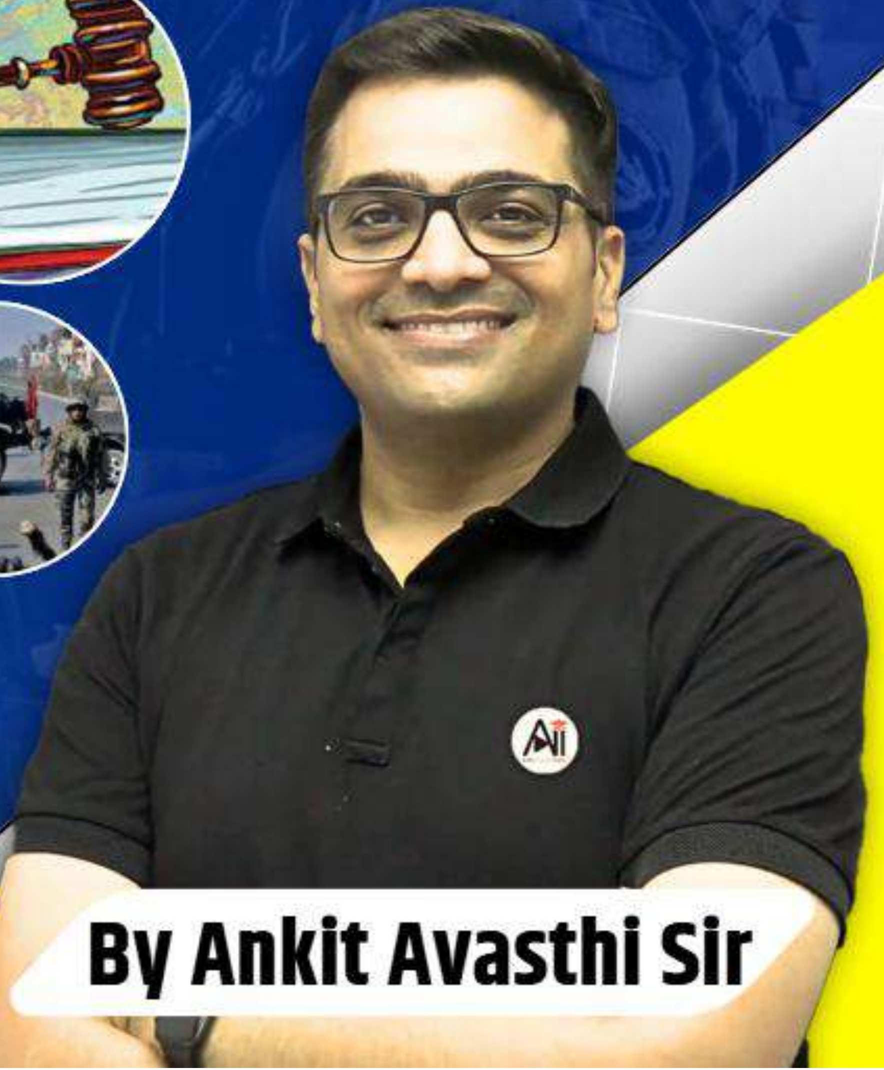

By Ankit Avasthi Sir

प्रारंभिक पृथ्वी पर आरएनए-अमीनो एसिड लिंक / RNA–Amino Acid Link on Early Earth

संदर्भ:

एक हालिया अध्ययन में वैज्ञानिकों ने यह उजागर किया है कि जीवन के दो मूलभूत निर्माण खंड – RNA (राइबोन्यूक्लिक एसिड) और अमीनो अम्ल लगभग चार अरब वर्ष पूर्व की प्रारंभिक पृथ्वी जैसी परिस्थितियों में आपस में कैसे जुड़ सकते थे। यह खोज इस बात की समझ को और गहरा करती है कि जीन और प्रोटीन के बीच परस्पर क्रिया की शुरुआत पृथ्वी पर जीवन के आरंभिक चरणों में किस प्रकार हुई होगी।

राइबोन्यूक्लिक एसिड (RNA)

- **परिभाषा:** RNA एक महत्वपूर्ण जैव-अणु (biomolecule) है जो जीवन के लिए आवश्यक है। यह आनुवंशिक सूचना (genetic information) को वहन करता है, प्रोटीन संश्लेषण (protein synthesis) में मदद करता है और कई नियामक (regulatory) तथा उत्प्रेरक (catalytic) भूमिकाएँ निभाता है।
- **DNA से तुलना:**
  - DNA की तुलना में **कम स्थिर** (less stable)।
  - अधिक **बहुउपयोगी** (versatile) – केवल सूचना रखने से आगे कई कार्य करता है।
- **संरचना और घटक:**
  - RNA **न्यूक्लियोटाइड्स** (nucleotides) से बना होता है। प्रत्येक न्यूक्लियोटाइड में होता है:
    - एक **फॉस्फेट समूह**
    - एक **राइबोज शुगर**
    - एक **नाइट्रोजनी बेस**
  - RNA के चार नाइट्रोजनी बेस: **एडेनिन (A), गुआनिन (G), साइटोसिन (C), यूरासिल (U)**
  - (नोट: DNA में थाइमिन होता है, जबकि RNA में उसकी जगह यूरासिल होता है।)
- **आकार (Form):**
  - सामान्यत: RNA **एकल श्रृंखला** (single-stranded) होता है, जबकि DNA डबल हेलिक्स में होता है।
  - यह स्वयं को मोड़कर जटिल **त्रिविमीय संरचनाएँ** (3D structures) बना सकता है, जैसे - लूप्स और हेलिक्स।
- **बेस पेयरिंग (Base Pairing):**
  - **यूरासिल (U) → एडेनिन (A)** से जुड़ता है।
  - **गुआनिन (G) → साइटोसिन (C)** से जुड़ता है।

अमीनो एसिड (Amino Acid):

- **परिभाषा:** अमीनो एसिड एक जैविक यौगिक है, जो प्रोटीन का मूल आधार (Building block) होता है।
- **शरीर में भूमिका:**
  - प्रोटीन बनाने में जरूरी।
  - जब शरीर को कार्बोहाइड्रेट और वसा उपलब्ध न हों, तो यह **ऊर्जा का स्रोत** बन सकता है।
- **प्रकार:** मानव शरीर में **20 मानक अमीनो एसिड** पाए जाते हैं, जो मिलकर प्रोटीन का निर्माण करते हैं।

अध्ययन की मुख्य खोज (Key Findings):

- **RNA से जुड़ाव:** वैज्ञानिकों ने पाया कि अमीनो एसिड सीधे **RNA से जुड़ सकते हैं**, और इसके लिए किसी एंज़ाइम (enzyme) की आवश्यकता नहीं होती। यह प्रक्रिया पानी में **साधारण प्रीबायोटिक रसायन विज्ञान** से, सामान्य pH पर संभव है।
- **रासायनिक प्रक्रिया:**
  - अमीनो एसिड पहले **पैंटेथीन** नामक थियोल यौगिक से जुड़ते हैं।
  - इससे **थायोएस्टर (thioester)** बनता है, जो एक उच्च-ऊर्जा मध्यवर्ती यौगिक है।
  - यह थायोएस्टर अमीनो एसिड को RNA की **श्रृंखला के अंत** में स्थानांतरित कर देता है।
- **पेप्टाइड निर्माण:** जब अमीनो एसिड RNA से जुड़ जाते हैं (**aminoacyl-RNA**), तो आगे की प्रतिक्रियाओं में ये आपस में मिलकर **छोटे पेप्टाइड** (2 या उससे अधिक अमीनो एसिड की श्रृंखला) बना लेते हैं।

जीवन की उत्पत्ति के सिद्धांतों के लिए महत्व:

यह खोज दो प्रमुख सिद्धांतों को जोड़ती है:

1. **RNA वर्ल्ड हाइपोथेसिस:** प्रारंभिक जीवन में RNA अणु ही आनुवंशिक जानकारी रखते थे और उत्प्रेरक की भूमिका निभाते थे।
2. **थायोएस्टर वर्ल्ड हाइपोथेसिस:** मान्यता है कि शुरुआती जीवन में **ऊर्जा-समृद्ध थायोएस्टर यौगिकों** ने रासायनिक प्रतिक्रियाओं को संचालित किया।

डॉ. भूपेन हजारिका / Dr. Bhupen Hazarika

संदर्भ:

हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री ने भूपेन हजारिका की 99वीं जयंती के अवसर पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें ऐसे महान सांस्कृतिक प्रतीक के रूप में याद किया, जिनकी संगीत और रचनात्मकता आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करती है।

डॉ. भूपेन हजारिका: ब्रह्मपुत्र के गायक और 'सुधाकंठ'

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा:

- जन्म: **8 सितंबर 1926**, सादीया (असम) में, नीलकंठ और शांतिप्रिया हजारिका के घर।
- परिवार गुवाहाटी, धुबरी और तेजपुर में बसा, यहीं से संगीत और सिनेमा से परिचय हुआ।
- 1936 में पहली बार कोलकाता में गीत रिकॉर्ड किया और **'इंद्रमालती' फिल्म** में गाया।
- 1949 में कोलंबिया यूनिवर्सिटी (अमेरिका) से छात्रवृत्ति मिली और 1952 में **पीएच.डी.** पूरी की (विषय: वयस्क शिक्षा में ऑडियो-वीज़ुअल तकनीक)।

करियर:

शिक्षण और शुरुआती काम:

- ऑल इंडिया रेडियो, गुवाहाटी में काम किया।
- गुवाहाटी विश्वविद्यालय में व्याख्याता रहे और वहीं विश्वविद्यालय का **एंथम 'जिलिकाबा लुइतारे पार'** लिखा।
- बाद में कोलकाता जाकर पूरी तरह संगीत और सिनेमा को समर्पित कर दिया।

संगीत और सांस्कृतिक योगदान:

- उनके गीत प्रकृति, प्रेम और भाईचारे के प्रतीक थे, जिनमें असम की धरती और जनजातीय परंपराओं की गहरी झलक मिलती थी।
- **'बिस्तिर्नो पारोरे'** (पॉल रॉबसन के Ol' Man River से प्रेरित) और **'सोइसोबोरे ढेमालीते'** जैसे गीतों में लोक-सौंदर्य और जीवन-संघर्ष दोनों दिखते हैं।
- उन्होंने असमिया, हिंदी, बांग्ला और कई भाषाओं में गीत लिखे और गाए।
- उनका संगीत **एकता और शांति का संदेश** देता था।

सिनेमा और डॉक्यूमेंट्री

- प्रमुख असमिया फिल्में: एरा बातोर सुर (1956), शकुंतला (1960), सिराज (1988)।
- हिंदी-बांग्ला सिनेमा: रुदाली (1994), सीमा के उस पार (1978)।
- डॉक्यूमेंट्री: Through Melody and Rhythm (1977), जिसमें पूर्वोत्तर भारत की लोक-संस्कृति दिखाई गई।

राजनीतिक और सामाजिक जुड़ाव:

- 1967 में **असम विधानसभा** के सदस्य चुने गए।
- 1993 में **असम साहित्य सभा** के अध्यक्ष बने।
- IPTA (Indian People's Theatre Association) के माध्यम से पूर्वोत्तर भारत की विविध संस्कृतियों और समुदायों को जोड़ने का प्रयास किया।

सम्मान और पुरस्कार:

- **राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार (1975)** – *चमेली मेमसाहब* के लिए।
- **दादासाहेब फाल्के पुरस्कार (1992)**।
- **पद्मश्री (1977), पद्मभूषण (2001),** पद्मविभूषण (2012, मरणोपरांत), भारत रत्न (2019, मरणोपरांत)।
- **मुक्तिजोद्धा पदक (2011, बांग्लादेश, मरणोपरांत)**।
- उनकी याद में **डॉ. भूपेन हजारिका सेतु** (भारत का सबसे लंबा नदी पुल) और **डाक टिकट** जारी किए गए।

निधन और विरासत:

- डॉ. भूपेन हजारिका का निधन **5 नवंबर 2011** को मुंबई में हुआ।
- उनका जीवन असम और पूरे पूर्वोत्तर की आत्मा का प्रतीक था, जिसमें संगीत, कविता और सिनेमा ने एकजुट होकर सांस्कृतिक चेतना को दिशा दी।
- उनकी रचनाएँ पीढ़ियों और सीमाओं से परे गाई जाती रहीं और आज भी **मानवता, भाईचारे और जीवन की सुंदरता** का अमर संदेश देती हैं।
- उनकी यात्रा वास्तव में **"एक भारत, श्रेष्ठ भारत"** की भावना को मूर्त रूप देती है।
- अपने कला-संगीत के जरिए उन्होंने न सिर्फ असम को राष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाई, बल्कि उसकी **आधुनिक सांस्कृतिक पहचान** भी गढ़ी।

लाल सागर में केबल कटने से एशिया और मध्य पूर्व में इंटरनेट बाधित / Red Sea cable cuts disrupt internet across Asia and the Middle East

संदर्भ:

लाल सागर में **बिछी समुद्री फाइबर ऑप्टिक केबलों** के क्षतिग्रस्त होने से दुनिया भर के इंटरनेट नेटवर्क पर बड़ा असर पड़ा है। कई देशों में यूज़र्स को धीमी स्पीड और देरी का सामना करना पड़ रहा है। इस घटना का सीधा असर माइक्रोसॉफ्ट Azure जैसी क्लाउड सेवाओं पर भी देखा गया है।

केबल सिस्टम पर तकनीकी खराबी:

दक्षिण-पूर्व एशिया-मध्य पूर्व-पश्चिमी यूरोप 4 (SMW4) समुद्री केबल में तकनीकी समस्या सामने आई है। यह नेटवर्क टाटा कम्युनिकेशंस सहित कई अंतरराष्ट्रीय टेलीकॉम कंपनियों के संयुक्त संचालन में चलता है। हालांकि, कंपनी की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

- **NetBlocks की जानकारी:** निगरानी समूह NetBlocks ने एक्स (X) पर पोस्ट करते हुए बताया कि रेड सी क्षेत्र में कई सबसी केबल्स क्षतिग्रस्त हुई हैं। इसके चलते पाकिस्तान और भारत समेत कुछ देशों में इंटरनेट कनेक्टिविटी पर असर देखा गया।
- **संभावित कारण:** समस्या का संबंध जेद्दा (सऊदी अरब) के पास SMW4 और IMEWE केबल सिस्टम में आई गड़बड़ी से माना जा रहा है।

इंटरनेट केबल कटने की संभावित वजहें:

- **तकनीकी या मानवीय कारण:** अधिकारियों का कहना है कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि केबलों में आई खराबी की असल वजह क्या है। आमतौर पर, इस तरह की घटनाएं लाल सागर से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों के एंकर गिरने से होती रही हैं।
- **जानबूझकर तोड़फोड़ की आशंका:** कुछ मामलों में जानबूझकर की गई तोड़फोड़ की संभावना भी जताई जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि क्षेत्र में जारी संघर्षों के बीच महत्वपूर्ण डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाए जाने का खतरा मौजूद है। इससे वैश्विक इंटरनेट कनेक्टिविटी के लिए गंभीर चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं।
- **हूती विद्रोहियों पर संदेह:** रिपोर्टों में यह आशंका भी जताई गई है कि यमन के हूती विद्रोही इन केबल्स को निशाना बना सकते हैं। माना जा रहा है कि यह कदम इजरायल पर दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा हो सकता है। हालांकि, हूती विद्रोही इस तरह के हमलों से पहले भी इनकार कर चुके हैं।

समुद्र के नीचे केबल: अंडरसी केबल्स (Submarine Communication Cables) समुद्र की गहराई में बिछाई गई फाइबर-ऑप्टिक केबल्स होती हैं, जिनका उपयोग महाद्वीपों के बीच डेटा संचारित करने के लिए किया जाता है। ये वैश्विक इंटरनेट की रीढ़ हैं और अंतरराष्ट्रीय संचार का अधिकांश हिस्सा इन्हीं पर निर्भर करता है।

महत्व-

- वैश्विक डेटा का लगभग 90% इन्हीं केबल्स के जरिए प्रवाहित होता है।
- दुनिया के 80% व्यापार और करीब 10 ट्रिलियन डॉलर के वित्तीय लेन-देन इन्हीं से संचालित होते हैं।
- सुरक्षित सरकारी जानकारी भी चैनलों से गुजरती है।

क्षमता और तकनीक:

- फाइबर-ऑप्टिक केबल्स डेटा को प्रकाश की गति से संचारित करती हैं।
- टेराबिट प्रति सेकंड (Tbps) क्षमता तक डेटा ट्रांसफर संभव होता है।
- यह आज की सबसे तेज़ और विश्वसनीय डेटा ट्रांसफर तकनीक मानी जाती है और हजारों टेलीकॉम उपयोगकर्ताओं को एक साथ सपोर्ट कर सकती है।

ऑप्टिकल फाइबर्स: परिचय और विशेषताएँ-

- ऑप्टिकल फाइबर पतले, लचीले और पारदर्शी तंतु होते हैं, जो उच्च गुणवत्ता वाले सिलिका ग्लास या प्लास्टिक से बने होते हैं।
- इनका उपयोग टेक्स्ट, इमेज और वीडियो जैसी सूचनाओं को डिजिटल सिग्नल या प्रकाश तरंगों के रूप में प्रसारित करने के लिए किया जाता है, जिससे डेटा का ट्रांसमिशन लगभग प्रकाश की गति से संभव हो पाता है।
- ये फाइबर टोटल इंटरनल रिफ्लेक्शन (TIR) की प्रक्रिया पर काम करते हैं, जिसके कारण सिग्नल लंबी दूरी तक बहुत कम लॉस के साथ पहुँचता है।

सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस समझौते / Suspension of Operations Agreement

संदर्भ:

हाल ही में केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय और मणिपुर राज्य सरकार ने कुकी नेशनल ऑर्गेनाइजेशन (KNO) और यूनाइटेड पीपल्स फ्रंट (UPF) के तहत आने वाले 24 कुकी-जो उग्रवादी समूहों के साथ संशोधित **सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस (SoO) समझौते** पर हस्ताक्षर किए। यह कदम क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

SoO (Suspension of Operations) समझौता:

पृष्ठभूमि: यह समझौता पहली बार **2008** में हुआ था, 1990 के दशक में हुए **कुकी-नागा संघर्षों** के बाद, उद्देश्य था – हिंसा रोकना और राजनीतिक संवाद की ओर बढ़ना।

मूल प्रावधान:

- करीब **2200 कैडर** (KNO और UPF से जुड़े) को नामित शिविरों में भेजा गया।
- उन्हें प्रति माह **₹6,000 वजीफा** दिया गया।
- कैडरों ने यह सहमति दी कि वे राज्य और केंद्र की सुरक्षा सेनाओं के खिलाफ **किसी भी प्रकार का अभियान** नहीं चलाएँगे।

समझौते का विस्तार:

- यह समझौता हर साल बढ़ाया जाता रहा।
- फरवरी **2024** तक इसे लगातार नवीनीकृत किया गया।

विवाद और ताज़ा घटनाक्रम:

- **29 फरवरी 2024** को मणिपुर सरकार ने इस समझौते को आगे बढ़ाने से इनकार कर दिया।
- कारण बताए गए: **नियमों के उल्लंघन**
  - SoO समूहों पर **2023 के जातीय हिंसा** भड़काने का आरोप
- इसके बाद SoO की वैधता पर सवाल उठ खड़े हुए और शांति प्रक्रिया में नई चुनौती पैदा हो गई।

2025 संशोधित SoO समझौते के मुख्य प्रावधान:

- सुरक्षा बल कैडरों का सत्यापन करेंगे और सरकार पूरी सूची तैयार करेगी (नाम, जन्मतिथि, आधार, फोटो सहित)।
- विदेशी नागरिक (खासतौर पर म्यांमार के चिन-कुकी समुदाय से) सूची से हटाए जाएंगे और निर्वासित किए जाएंगे।
- नामित कैंपों की संख्या 14 से घटाकर 12 की जाएगी (6 KNO और 6 UPF), ये कैंप सीमाओं/हाईवे/संवेदनशील क्षेत्रों से दूर होंगे।
- हथियार CRPF/BSF कैंपों में रखे जाएंगे, न कि उग्रवादी कैंपों में।
- कैडर स्टाइपेंड केवल आधार-लिंक्ड खातों में और कैंप में भौतिक उपस्थिति पर ही मिलेगा।
- सभी कैडरों को मणिपुर पुलिस फोटो-आईडी जारी करेगी।
- कुकी-जो काउंसिल (KZC) ने राष्ट्रीय राजमार्ग-2 (इंफाल-दीमापुर) यातायात और आपूर्ति के लिए खोलने पर सहमति दी।
- प्रिंसिपल सेक्रेटरी (गृह) की अध्यक्षता में **ज्वाइंट मॉनिटरिंग ग्रुप** निगरानी करेगा और उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई करेगा।
- KNO और UPF हिंसा त्यागेंगे, भारतीय संविधान और मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता मानेंगे, तथा अन्य सशस्त्र समूहों से दूरी रखेंगे।
- नए कैडर भर्ती, हमले और विदेशी/घरेलू सशस्त्र समूहों से जुड़ने पर प्रतिबंध।
- समझौते का पालन करने पर सेना और सुरक्षा बल इनके खिलाफ अभियान नहीं चलाएंगे।
- केंद्र, मणिपुर सरकार और KNO/UPF के बीच त्रिपक्षीय राजनीतिक संवाद होगा।

महत्त्व:

- यह समझौता 2024 में समझौते के टूटने के बाद शांति-स्थापना की नई पहल है।
- मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता को दोहराता है, जिससे मैतेई समुदाय की चिंताओं को संबोधित किया गया है।
- कुकी-जो समुदाय की राजनीतिक समाधान की मांग को स्वीकार करता है, लेकिन भारतीय संविधान की रूपरेखा में।
- राष्ट्रीय राजमार्ग-2 का खुलना इम्फाल घाटी के लिए आर्थिक जीवनरेखा बहाल करता है और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करता है।
- कैंपों का संवेदनशील क्षेत्रों से हटना हिंसा की संभावना घटाता है और नागरिक सुरक्षा को मजबूत करता है।

प्रोटीन लैंग्वेज मॉडल / PLMs

संदर्भ:

हाल ही में बड़े भाषा मॉडलों (LLMs) के उभरने ने प्रोटीन पर होने वाले शोध में क्रांतिकारी बदलाव ला दिया है। प्रोटीन वे सूक्ष्म तंत्र हैं जो सभी जीवित प्राणियों के भीतर लगभग हर महत्वपूर्ण गतिविधि में शामिल होते हैं।

प्रोटीन लैंग्वेज मॉडल (Protein Language Models - PLMs)

क्या हैं PLMs?

- PLMs मशीन लर्निंग मॉडल हैं, जिन्हें **नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग (NLP)** में इस्तेमाल होने वाले **Large Language Models (LLMs)** से अनुकूलित किया गया है।
- इनमें प्रत्येक **अमीनो एसिड (Amino Acid)** को एक *टोकन* (शब्द) और पूरे **प्रोटीन को एक वाक्य** माना जाता है।
- इसका उद्देश्य प्रोटीन सीक्वेंस (Protein Sequences) को समझना और उनके कार्य का विश्लेषण करना है।

PLMs के अनुप्रयोग (Applications of PLMs)

1. **Drug Discovery (दवा खोज):**
   - प्रोटीन-प्रोटीन इंटरैक्शन की तेज पहचान।
   - नए *drug targets* खोजने की प्रक्रिया को गति मिलती है।
2. **Vaccine Development (वैक्सीन विकास):**
   - वायरस के महत्वपूर्ण प्रोटीन संरचनाओं की भविष्यवाणी और मॉडलिंग।
   - इससे *vaccine design* अधिक प्रभावी और सटीक बनता है।
3. **Disease Research (रोग अनुसंधान):**
   - प्रोटीन में होने वाले *mutation* और *misfolding* को समझना।
   - Alzheimer's और Cancer जैसी बीमारियों के कारणों और उपचार पर गहन शोध में मदद।
4. **Synthetic Biology (सिंथेटिक बायोलॉजी):**
   - नई प्रोटीन संरचनाएँ और गुण (properties/functions) डिज़ाइन करने में सक्षम।
   - उद्योग और चिकित्सा दोनों में *novel proteins* का निर्माण संभव।

सेरेबो / CEREBO

संदर्भ:

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) ने अपने साझेदार संस्थानों के साथ मिलकर **CEREBO** नामक एक स्वदेशी, हाथ में पकड़ा जाने वाला (hand-held) और गैर-आक्रामक (non-invasive) डायग्नोस्टिक उपकरण विकसित किया है। यह उपकरण **ट्रॉमैटिक ब्रेन इंजरी (TBI)** का तेजी से पता लगाने में सक्षम है और आपातकालीन तथा गंभीर देखभाल स्थितियों में त्वरित व विश्वसनीय निदान प्रदान करने में मदद करेगा।

CEREBO: ट्रॉमैटिक ब्रेन इंजरी (TBI) की पहचान के लिए नया उपकरण

मुख्य विशेषताएँ (Key Features of CEREBO)

- यह हैंड-हेल्ड, पोर्टेबल और नॉन डायग्नोस्टिक डिवाइस है।
- इसका उद्देश्य **Traumatic Brain Injuries (TBI)** की त्वरित पहचान करना है।
- इसमें **Near-Infrared Spectroscopy** और **Machine Learning** तकनीक का उपयोग होता है।
- केवल **एक मिनट में** दिमाग के अंदर रक्तस्राव (bleeding) और सूजन (swelling) का पता लगा सकता है।

CEREBO के लाभ (Benefits of CEREBO):

1. **सुलभ उपयोग:** इसे **पैरामेडिकल स्टाफ** ही नहीं, बल्कि **अनस्किल्ड कर्मी** भी चला सकते हैं।
2. **सुरक्षित परिणाम (Safe Results)**
   - यह **कलर-कोडेड, रेडिएशन-फ्री रिजल्ट्स** देता है।
   - शिशुओं और गर्भवती महिलाओं के लिए भी सुरक्षित।
3. **कम लागत:** परंपरागत इमेजिंग टूल्स (जैसे CT/MRI) की तुलना में किफायती, **इमेजिंग खर्च** को कम करता है।
4. **आपातकालीन विकल्प:** जब CT/MRI जैसे उन्नत टूल्स उपलब्ध न हों या देर से पहुँचें, तब यह उपयोगी है।
   - **एंबुलेंस, ग्रामीण क्लिनिक, सैन्य चिकित्सा प्रणाली और आपदा प्रतिक्रिया इकाइयों** में लगाया जा सकता है।
5. **बेहतर परिणाम:**
   - **TBI की शुरुआती पहचान** में मदद करता है।
   - मरीज की जान बचाने और उपचार में तेजी लाता है।
6. **आत्मनिर्भरता:** महंगे और आयातित डायग्नोस्टिक टूल्स पर निर्भरता कम करता है।

स्विफ्ट आईएसओ 20022 / SWIFT ISO 20022

संदर्भ:

भारतीय बैंक **SWIFT ISO 20022** को लागू करने की दिशा में तेजी से काम कर रहे हैं ताकि इसे **नवंबर 2025 की समयसीमा** तक पूरा किया जा सके। आंशिक रूप से माइग्रेशन पहले ही पूरा हो चुका है। इस नए वैश्विक मैसेजिंग मानक से **सीमापार भुगतान की दक्षता, पारदर्शिता और आपसी संगतता** में सुधार होने की उम्मीद है।

SWIFT (Society for Worldwide Interbank Financial Telecommunication):

- SWIFT एक **वैश्विक वित्तीय मैसेजिंग सेवा प्रदाता** है।
- यह दुनिया भर के **बैंकों और वित्तीय संस्थानों** को आपस में जोड़ता है।
- इसका मुख्य कार्य **सुरक्षित और मानकीकृत वित्तीय संदेशों** का आदान-प्रदान करना है।

स्थापना और मुख्यालय (Establishment & HQ)

- स्थापना: **1973** में ब्रसेल्स, बेल्जियम में।
- मुख्यालय: **ला हुल्पे, बेल्जियम**।

संचालन और निगरानी (Operation & Oversight)

- SWIFT की निगरानी **G10 देशों** (अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, जर्मनी आदि) के केंद्रीय बैंकों द्वारा की जाती है।
- इसके साथ ही **यूरोपियन सेंट्रल बैंक (ECB)** और **नेशनल बैंक ऑफ बेल्जियम (NBB)** भी इसकी देखरेख करते हैं।
- **NBB** इसमें प्रमुख निगरानी भूमिका निभाता है।

भूमिका (Role of SWIFT)

1. **क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट्स (Cross-border payments)** को आसान और सुरक्षित बनाता है।
2. **सिक्योरिटीज़ ट्रांजैक्शन्स (Securities transactions)** को सुगम करता है।
3. **ट्रेजरी ऑपरेशन्स (Treasury operations)** को सपोर्ट करता है।
4. **ट्रेड-रिलेटेड कम्युनिकेशन (Trade-related communication)** को संभव बनाता है।

विस्तार (Reach & Usage)

- दुनिया भर के **200+ देशों** की **11,000 से अधिक वित्तीय संस्थाएं** SWIFT पर निर्भर हैं।
- यह सिस्टम **तेज़, सुरक्षित और मानकीकृत वित्तीय संचार** उपलब्ध कराता है।

विशेष गहन पुनरीक्षण / SIR

संदर्भ:

भारत का **निर्वाचन आयोग (ECI)** अपने राज्य प्रतिनिधियों के साथ **10 सितंबर** को एक अहम बैठक करेगा। इस बैठक में पूरे देश में **विशेष गहन पुनरीक्षण (Special Intensive Revision - SIR)** अभियान चलाने की संभावनाओं पर चर्चा की जाएगी। बैठक का उद्देश्य मतदाता सूची की सटीकता सुनिश्चित करना, तैयारियों की समीक्षा करना और संभावित चुनौतियों की पहचान करना है, ताकि आने वाले चुनावों के लिए विश्वसनीय मतदाता आधार तैयार किया जा सके।

Special Intensive Revision (SIR) क्या है?

विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) चुनाव आयोग (ECI) द्वारा विशेष परिस्थितियों में किया जाता है।

यह तब लागू होता है जब –

1. **मतदाता सूची में कोई हिस्सा छूट गया हो**।
2. **बड़े पैमाने पर त्रुटियाँ** सामने आई हों।
3. **कानूनी या राजनीतिक कारणों** से तत्काल सुधार आवश्यक हो।

कानूनी आधार (Legal Basis):

- **Representation of the People Act, 1950** की धारा **21(3)** के तहत ECI को अधिकार है।
- इस धारा के अनुसार आयोग मतदाता सूची का पुनरीक्षण **"जैसे उचित समझे"** वैसा कर सकता है।
- यह **Summary** या **Intensive Method** या दोनों का मिश्रण हो सकता है।

प्रक्रिया (Process of SIR):

- **घर-घर जाकर सत्यापन** किया जाता है।
- **House-to-house enumeration** के जरिए मतदाता सूची की जांच और सुधार की जाती है।

इतिहास (History of SIR):

- भारत में गहन पुनरीक्षण कई बार किए गए हैं: **1952-56, 1957, 1961, 1965, 1966, 1983-84, 1987-89, 1992, 1993, 1995, 2002, 2003, 2004**।
- समय-समय पर ये पुनरीक्षण बदलती प्राथमिकताओं को दर्शाते रहे
  - शुरुआती प्रशासनिक खामियों को सुधारना।
  - **प्रवास**और **delimitation** जैसी चुनौतियों को संबोधित करना।
  - मतदाता सूची की गुणवत्ता सुनिश्चित करना।

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
इतिहास
अर्थव्यवस्था
भूगोल
भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था
1500x4
₹6000/-
₹4500/-
रोज़ाना लाइव क्लासेस
साप्ताहिक टेस्ट
क्लास की पीडीएफ (हिंदी + अंग्रेज़ी में)
लाइव डाउट सेशन
रोज़ाना प्रैक्टिस प्रश्न
COURSE VALIDITY
1 YEAR

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
FOUNDATION COURSE
OF MUTUAL FUND
INVEST IN KNOWLEDGE GROW YOUR WEALTH
COMBO OFFERS
COURSE FEE
~~₹4000/-~~
OFFER PRICE
₹2800/-
Course Validity
1 YEAR
BBK
Baaten Bazaar ki
एक निवेश समझदारी से..

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुवात
Baaten Bazar Ki

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

PORTFOLIO BUILDING AND MANAGEMENT COURSE

+ (FUNDAMENTAL OF STOCK MARKET)

EMI AVAILABLE

- » Long-Term Investing Foundations
- » Principles of Value Investing and Stock
- » Portfolio Construction Mastery
- » Sectoral Investing
- » Stock Picking Framework
- » Active Portfolio Management Techniques
- » Mega Cap vs Mid Cap Strategy

SPECIAL BONUS

COURSE VALIDITY
1 YEAR